# नदी द्वारा निर्मित स्थलाकृतियाँ

//

# नदी द्वारा निर्मित स्थलाकृतियाँ

नदी अपनी विभिन्न अवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की भू-आकृतियाँ निर्मित करती है-ऊपरी भाग की भू-आकृतियाँ, मध्यभाग की भू-आकृतियाँ, निचले भाग की भू-आकृतियाँ

## नदी का ऊपरी भाग ( युवावस्था )

- नदी के उद्गम से आरंभ ( आमतौर पर एक पर्वत श्रृंखला )
- तेज़ प्रवाह तीव्र ढाल के कारण
- नदी की मुख्य क्रिया ऊर्ध्वाधर क्षरण
- स्थलाकृतियाँ -
  - » V-आकार की घाटियाँ ( ऊर्ध्वाधर संक्षारण के कारण निर्मित )
    - लाओ घाटी, हवाई
  - » इंटरलॉकिंग स्पर/तल
    - पहलगाम, कश्मीर के ऊपर पश्चिम लिद्दार घाटी
  - » गॉर्ज ( जहाँ चट्टानें बहुत कठोर और प्रतिरोधी होती हैं )
    - सिंधु गॉर्ज, कश्मीर
  - » कैनियन ( जहाँ वर्षा बहुत कम होती है )
    - ब्रायस कैन्यन, USA
  - » क्षिप्रिकाएँ और जल प्रपात
    - लावा जल प्रपात क्षिप्रिका, USA और नियाग्रा जलप्रपात, कनाडा

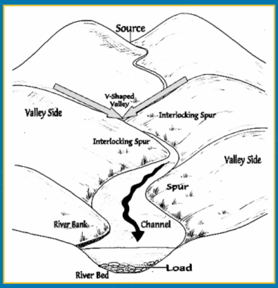


**संक्षारण ( या अपघर्षण ) जल, वायु, या हिम द्वारा ले जाए गए चट्टान के टुकड़ों द्वारा किसी चट्टान की सतह का क्षरण है।**

## नदी का मध्य भाग ( प्रौढ़ावस्था )

- ऊर्ध्वाधर संक्षारण की जगह पार्श्व संक्षारण से भू-आकृतियों का निर्माण
- सहायक नदियों का संगम → जल का अधिक आयतन → नदी की सर्वाधिक जल भार अवस्था
- परिवहन इस अवस्था की मुख्य घटना
- घाटियों के दोनों किनारों पर इंटरलॉकिंग स्पर का निर्माण
- भू-आकृतियाँ -
  - » नदी विसर्प
    - ओवेन्स नदी, SE कैलिफोर्निया, USA
  - » नदी कगार और स्कंध ढाल
    - सफेद कगार,डोवर, ब्रिटेन की

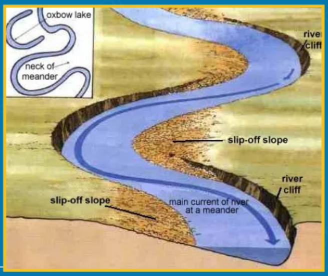


## नदी का निचला भाग ( वृद्धावस्था )

- इस अवस्था में नदी ऊपरी भागों से नीचे लाई गई सामग्री के कारण भारी हो जाती है
- इस अवस्था में ऊर्ध्वाधर संक्षारण बिल्कुल नगण्य, पार्श्व संक्षारण अभी भी सक्रिय
- नदी के तल और व्यापक बाढ़ मैदानों के निर्माण में निक्षेपण की महत्त्वपूर्ण भूमिका
- जल की अधिक मात्रा; महीन सामग्री ( बालू, कंकण आदि ) को नदी के मुहाने तक ले जाती है
- भू-आकृतियाँ -
  - » बाढ़ के मैदान और तटबंध
    - गंगा-यमुना बाढ़ का मैदान
  - » डेल्टा
    - सुंदरबन डेल्टा

Drishti IAS

[और पढ़ें..](#)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/landforms-created-by-the-river